हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शनिवार 28 फरवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने किया हर्बल गुलाल की पैकिंग कार्य का अवलोकन, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं का बढ़ाया उत्साह

मण्डला। होली पर्व को पर्यावरण अनुकूल और सुरक्षित बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कालोनी में ग्रामीण स्व सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार हर्बल गुलाल की पैकिंग का अवलोकन किया। उन्होंने महिलाओं से गुलाल तैयार करने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली और उनके कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी सशक्त करेगी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने इस कार्य में सहयोगी संस्था एकगांव टेक्नोलॉजी के श्री सुरेंद्र गुप्ता से भी बातचीत की। श्री गुप्ता ने बताया कि गेंदा की पंखुड़ियाँ, गुड़हल की पत्तियाँ, पालक की पत्तियाँ, टेसू फूल जैसे अवयव सुखाकर अरारोट बेस की मदद से यह गुलाल तैयार किये जा रहे हैं। इन्हें 100-100 ग्राम के पैक में आकर्षक पैकिंग कर विक्रय के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 28 फरवरी से माहिष्मती घाट पर शुरू हो रहे मेले तथा सोमवार को योजना भवन में इसका विक्रय काउंटर लगवायें। 2 मार्च को माहिष्मती घाट पर आयोजित होली उत्सव के लिए भी यही हर्बल गुलाल उपयोग करना सुनिश्चित करें। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, सीएमओ नगर पालिका गजानन नाफड़े, डीपीएम आजीविका मिशन बीडी भैंसारे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सिर्फ ट्रैक्टर ट्रालियों पर ही कार्यवाही-डम्फरों पर क्यों नहीं

रेत के बड़े चोरों पर मेहरबानी क्यों?

*** वन विभाग भी निभा रहा सहयोगी की भूमिका।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले की प्रमुख नदी बंजर, बुढ़नेर एवं नर्मदा से रेत उत्खनन की जो तस्वीरे सामने आ रही हैं वे आने वाले भविष्य की गंभी चिंताओं को प्रदर्शित करती हैं कैसें नदियों के अंदर बड़ी-बड़ी मशीनों से उत्खनन किया जा रहा है। नदियों की धाराओं को रोककर बड़े-बड़े रास्ते बना दिये गये हैं जिनमें दिन और रात भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी मची रहती है न कोई रायल्टी, न ओव्हरलोड की कोई जांच और न ही पर्यावरण या सुरक्षा की कोई चिंता ? किसकी तय होगी जिम्मेदारी कब जागेंगे सत्ता के जिम्मेदार या कब समझेंगे शासन-प्रशासन के लोग अपनी कर्तव्य परायणता और क्या कभी विरोध जता पायेंगे कथित पर्यावरण प्रेमी।

शासन के बनाए नियमों की यदि धज्जियां उड़ती देखना हो तो हमारे जिले में आइए विभिन्न शर्तों के साथ रेत खदानो को उत्खनन के लिए ठेकेदारों को तय समय सीमा के लिए दिया जाता हैं जिसमें यह शामिल होता है कि निश्चित रकबे के बाहर उत्खनन नहीं होगा नदी के अंदर से रेत नहीं निकाली जाएगी किसी भी स्थिति में मशीनों का उपयोग उत्खनन के लिए नहीं किया जाएगा रेत के उत्खनन एवं परिवहन के लिए किसी भी स्थिति में नदी के स्वरूप के साथ छेड़छाड़ नहीं की जाएगी लेकिन ऐसा हो नहीं रहा। सरेआम गीली रेत डंपरों के माध्यम से परिवहन की जा रही है इन डम्फरों में बहुत से तो बिना नंबर प्लेट के भी होते हैं इन डम्फरों में कितनी मात्रा में रेत भरी होती है इसका भी कोई पैमाना नहीं है और ना ही कोई देखने वाला है डम्फर जो रेत से भरे परिवहन हो रहे हैं उन्हें कहां से जाने की अनुमति है और कहां इन पर प्रतिबंध लगा हुआ है इसका भी कोई पालन नहीं हो रहा।

खदान की बात करें तो जहां से मन हो रहा है रेत निकाली जा रही है बड़ी-बड़ी पोकलेन मशीन लगाकर खदान के अंदर से रेत निकाली जा रही है और फिर नदियों के अंदर ही बड़े-बड़े टापू बनाकर वहां तक डफरों को पहुंचाया जाता हैं जहां मशीनों के माध्यम से इनको भरा जाता है नदी के प्रवाह को रोककर रास्ते बनाए जा रहे हैं इससे नदियों का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित हो रहा है नदी के अंदर के जलीय जीव जंतु को नुकसान पहुंच रहा है और सैकड़ो ट्राली मिट्टी एवं मुर्रम जो नदी में रास्ते बनाने के लिए डाली जा रही है यह नदी के स्वरूप के लिए बहुत ही खतरनाक साबित हो रही है और यही मिट्टी मुर्रम बरसात के समय बाढ़ के रूप में जाकर किनारो पर जमा होती है और भौगोलिक स्वरूप को बिगाड़ रही है। नर्मदा नदी जिसे मध्यप्रदेश सरकार ने जीवंत इकाई माना है और नर्मदा के अंदर से किसी भी स्थिति में रेत का उत्खनन नहीं हो सकता ऐसे नियम बनाए हैं लेकिन शायद मंडला मध्य प्रदेश शासन के आधीन नहीं आता तभी तो यहां धड़ल्ले से शासन के नियमों की अनदेखी करते हुए माँ नर्मदा के जल के भीतर बड़ी-बड़ी मशीन लगाकर रेत निकाली जा रही है नदी के अंदर बड़े-बड़े रास्ते बना दिए गए हैं रेत उत्खनन की यही स्थिति रही तो शायद आने वाले समय में यह जो नदियां हैं जो हमें रेत प्रदान कर रही हैं शायद कागजों तक ही सीमित रह जाए किसी भी रेत का परिवहन करने वाले वाहन के पास रायल्टी नहीं होती जबकि इसी रायल्टी के माध्यम से शासन को खनिजों का राजस्व प्राप्त होता है इस तरह से संबंधित विभाग की लापरवाही से शासन को जबरदस्त नुकसान हो रहा है खदानों में पर्ची चल रही है खदान में बैठे ठेकेदार के गुर्गे इस तरह से पर्ची देकर पैसे ले रहे हैं और शासन को क्षति पहुंचा रहे हैं बड़े-बड़े डंपरों के परिवहन से सड़कों को नुकसान हो रहा है यह भी देखने वाला कोई नहीं आरटीओ विभाग देखने में तो ट्रैकों पर रोज हाईवे में कार्रवाई करता है लेकिन कभी भी रेत के डंपरों को रोककर यह नहीं देखता कि वे ओवरलोड है कि नहीं उनके पास बीमा है कि नहीं पर्यावरण की मंजूरी है कि नहीं बल्कि यह डम्फर बेरोक टोक क्षमता से ज्यादा रेत का परिवहन कर रहे हैं और सड़कों को जबरदस्त नुकसान पहुंचा रहे हैं पिछले कुछ दिनों से रेत के परिवहन करते ट्रैक्टर ट्रालियों को तो पकड़ा जा रहा है और उन पर कार्रवाई की जा रही है लेकिन बड़े-बड़े रेत माफिया पर कार्रवाई करने से प्रशासन क्यों कतरा रहा है वही वन विभाग भी मूक दर्शक बना हुआ है वन विभाग की भूमि में रास्ते बनाकर रेत का परिवहन हो रहा है और उनकी भूमि में उत्खनन भी हो रहा है लेकिन विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा।

पर्यावरण संरक्षण के साथ मनाया जाएगा होलिका दहन

*** गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन को बढ़ावा, 'स्वच्छ और स्वस्थ होली' अभियान के निर्देश जारी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता के संदेश के साथ गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन को प्रोत्साहित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य शासन ने आगामी होली पर्व को पर्यावरण हितैषी तरीके से मनाने का निर्णय लेते हुए सभी जिलों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

निर्देशानुसार होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर उपलों एवं गो-काष्ठ का उपयोग किया जाएगा। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों से होली खेलें, पानी की बचत करें तथा पशु-पक्षियों पर रंग न डालें।

राज्य शासन ने सभी जिलों में आयोजित होने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का निःशुल्क पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह पंजीयन जिला मुख्यालय, तहसील, पंचायत एवं नगरीय निकायों के माध्यम से किया जाएगा। पंजीयन के समय आयोजक संस्था की आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की जाएगी।

निर्देशों के तहत संबंधित अधिकारी होलिका दहन कार्यक्रमों का स्थल पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि आयोजन पूर्णतः गो-काष्ठ आधारित हो। आयोजन के दो-तीन दिवस के भीतर संबंधित अधिकारी प्रमाणित प्रतिवेदन जिला कलेक्टर को प्रस्तुत करेंगे।

राज्य शासन के निर्देशानुसार आगामी दिनों में जिला स्तर पर सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिनमें गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन को प्रोत्साहित करने वाली संस्थाओं एवं उनके पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। भविष्य में भी ऐसी संस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहन एवं सहयोग दिया जाएगा।

शासन ने 'स्वच्छ और स्वस्थ होली' अभियान को व्यापक रूप से प्रचारित-प्रसारित करने के निर्देश दिए हैं। समस्त जिला कलेक्टरों को अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा संभागायुक्तों को इसकी निगरानी करने के लिए कहा गया है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक एकता एवं पारंपरिक मूल्यों के साथ सुरक्षित एवं स्वच्छ होली का आयोजन सुनिश्चित करना है।

गिरदावली नहीं होने से किसानों का नहीं हो पा रहा पंजीयन

भुआबिछिया। रबी फसल की क्षेत्र में मुख्य फसल गेहूं है गेहूं उपार्जन हेतु किसान अपना पंजीयन कराने अधिकृत पंजीकरण के लगातार चक्कर लगा रहे पंजीयन अवधि शासन ने 7 फरवरी से सात मार्च निर्धारित है किन्तु बिना गिरदावली के रजिस्ट्रेशन नहीं होता अभी तक बोहोत से किसानों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ और आखिरी तारीख नजदीक है प्रशासनिक अमला सही कार्य नहीं कर रहा है जिससे रबी फसल का रर्जिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है, इस तरह भुआ रैयत के नये टोला परमाई टोला के किसानों के फसल की गिरदावरी नहीं हुई है जिससे ई उपार्जन का का पंजीयन नहीं हो पा रहा है और किसान पंजीयन स्थल से निराश लौट रहे हैं भुआबिछिया पटवारी रवींद्र उयके मुख्यालय में नहीं रहते मोबाइल से संपर्क करने पर कहते हैं कि फसल गिरदावरी करने वाले लड़कों की टीम गयी है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिछिया से अनुरोध है कि शीघ्र ही गिरदावरी हेतु निर्देशित करें।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की बैठक संपन्न

मण्डला। गुरुवार को सेक्टर क्रमांक 1 बीजाडांडी अंतर्गत नवांकुर संस्था 'अनुश्री शिक्षा सामाजिक एवं निशक्त उत्थान समिति, बीजाडांडी' द्वारा ग्राम विजयपुर में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला समन्वयक श्री राजेन्द्र चौधरी ने समिति द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने समिति सदस्यों को योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विकासखण्ड समन्वयक मंजुलता पांडेय, नवांकुर संस्था प्रमुख श्री हरिलाल परते (चरगांवमाल), श्री जगत सिंह परते (धनवाही), परामर्शदाता आदित्य मिश्रा एवं श्रद्धा तिवारी सहित समिति के अध्यक्ष श्री विक्रम सिंह मरकाम, सचिव श्री कमलेश विश्वकर्मा एवं अन्य सदस्यगण तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक का नए परिसर में प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

विगत 25 सालों से मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक की नई शाखा आई हुई थी जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने अपना खाता खुलवाया जिसमें शिक्षक स्वास्थ्य विभाग जैसे कर्मचारियों के खाता खोले गए थे वहां पर बहुत दिनों से अन्य जगहों पर स्थानांतरण करने के लिए अधिकारियों से चर्चा चल रही थी आज दिनांक 27 फरवरी को मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक एक नए परिसर में प्रवेश किया जिसकी में मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश प्रसाद सिंह परस्ते क्षेत्रीय प्रबंधक मंडल एवं वरिष्ठ प्रबंधक जितेंद्र ठाकुर शाखा प्रबंधक श्रीमती सोनम अग्रवाल एवं कार्यपालक सहायक राजीव कुमार सिंह ठाकुर के द्वारा फीता काटकर नए भवन में प्रवेश हुआ इस कार्यक्रम में अजीविका मिशन से श्रुति सागर उपाध्याय एवं पशु चिकित्सालय अधिकारी महेश गुप्ता रतन सिंह ठाकुर मंगल सोनी बैंक सखी के रूप में संतोषीनी बैंक के मित्रों सूरज मरावी अरुण बरकड़े संदेश साहू मूगीया मार्को हीरा उईके का क्षेत्र प्रबंधक द्वारा प्रस्तुति पत्र दिया गया इनके द्वारा क्षेत्र में जाकर लोगों को बैंक संबंधी जानकारी देकर उनके खाता खुले गए क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा कहा गया कि अब बैंक खाता धारी को और भी सुविधा की बढ़ोतरी की जाएगी जिससे लोगों को हो रही परेशानियों को दूर हो सके लोगों को किसी री एवं कृषि संबंधित सभी बस्तियों पर दिया जाएगा एवं कृषकों की समस्या एवं उनके सुझाव दिए जाएंगे इस कार्यक्रम में आसपास के सभी खातेदारी महिलाएं एवं क्षेत्री नगर नागरिक की उपस्थिति रही अंत में कार्यालय सहायक सचिव कुमार सिंह ठाकुर द्वारा सभी को आभार व्यक्त किया।

मचलेश्वर मेला हिरदेनगर में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़, एसपी रजत सकलेचा का भ्रमण

मण्डला। दिनांक 27/02/2026 को पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा द्वारा हिरदेनगर चौकी अंतर्गत आयोजित मचलेश्वर मेला हिरदेनगर का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा की उपस्थिति में आमजन की सुरक्षा, सुचारू यातायात संचालन एवं भीड़ नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा मुख्य प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, रेडियम युक्त बैरिकेड एवं स्टॉपर लगाने तथा फायर ब्रिगेड को निर्धारित स्थान पर तैनात रखने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था को लेकर बिना हेलमेट दोपहिया वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने एवं बिना नंबर प्लेट तथा तेज रफ्तार वाहनों पर सख्त कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। मेले में संचालित झूलों को अनुमति एवं भौतिक सत्यापन उपरांत प्रारंभ करने तथा पशुओं को सड़क से दूर निर्धारित स्थान पर रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा, महाराजपुर थाना प्रभारी जय सिंह यादव, चौकी प्रभारी हिरदेनगर उप.निरी. हरछट ठाकुर, मेला प्रभारी उनि. सुरजीत सिह परमार, उनि. जितेंद्र यादव एवं मेले मे लगा समस्त बल उपस्थित रहे।

विडम्बना | **गोंदिया–जबलपुर दोहरीकरण हुआ, पर मंडला फोर्ट अब भी अधूरा!**

मंडला की जनता के साथ कब तक होगा छल

*** क्या कभी मण्डला से आगे भी बढ़ेगी रेल लाईन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

गोंदिया-जबलपुर रेल्वे लाइन के बहुप्रतीक्षित मांग दोहरीकरण को स्वीकृति और गति मिल चुकी है, लेकिन जिस उम्मीद के साथ मंडला क्षेत्र की जनता इस परियोजना को देख रही थी, वह आज भी अधूरी दिखाई दे रही है। चर्चा थी कि दोहरीकरण का लाभ मंडला फोर्ट रेल्वे स्टेशन से जुड़ी संरचनाओं को भी मिलेगा, यहां 4 नए प्लेटफॉर्म बनेंगे और स्टेशन का व्यापक विस्तार होगा। परंतु जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, जो कार्य नवंबर 2025 तक पूर्ण होना था, वह आज तक अधूरा पड़ा है। स्टेशन परिसर में निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। यात्रियों को न तो पर्याप्त प्लेटफॉर्म सुविधा मिल पाई है और न ही आधुनिक स्टेशन जैसी अपेक्षित व्यवस्था।

सबसे चिंताजनक स्थिति पेंचवेली रेलगाड़ी को लेकर सामने आ रही है। पिछले लगभग 8 महीनों से यह ट्रेन नैनपुर से मंडला फोर्ट तक खाली चलाई जा रही है और वापसी में भी लगभग खाली लौट रही है। यदि ऐसा है, तो सवाल उठता है कि रेलवे को हो रहे संभावित राजस्व नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या इस व्यवस्था की समीक्षा की गई है? आज तक सिर्फ इंतजार कर रहे यात्रीगण। फोर्ट स्टेशन पर 4 प्लेटफॉर्म निर्माण की चर्चा लंबे समय से हो रही थी। लेकिन आज भी कार्य की स्पष्ट समय-सीमा सामने नहीं है। इससे यात्रियों में असंतोष बढ़ रहा है।

रेल्वे संघर्ष समिति के द्वारा सर्व समाज के साथ मिलकर 2 बार धरना प्रदर्शन किया गया लेकिन आज दिनांक तक जवाब नहीं मिला मंडला नगरवासियों को। संघर्ष समिति की प्रमुख मांग थी 1, पेंचवेली ट्रेन का संचालन जल्द किया जाए मंडला फोर्ट से 2, कोचिंग डिपो पिट लाइन का निर्माण हो मंडला फोर्ट में पर्याप्त खाली जमीन है 3, पंडरिया छत्तीसगढ़ मंडला जबलपुर नवीन रेलमार्ग की स्वीकृति जल्द मिले 4, पेंड्रा अमरकंटक डिंडोरी मंडला घंसौर गोटेगांव नवीन रेलमार्ग जल्द प्रस्ताव में आए। इसके अलावा मंडला फोर्ट से आमला जंक्शन तक डबल लाइन का भी प्रस्ताव रखा जाए।इन सभी विषयों को लेकर रेल्वे संघर्ष समिति ने कई वर्षों से आंदोलन किया ज्ञापन प्रस्तुत किया लेकिन आज तक संतुष्टि भरा जवाब नहीं मिला।

16 चक्का ट्रक से 26 भैंसों का अवैध परिवहन पकड़ा, आरोपियों पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश पुलिस के पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में थाना टिकरिया पुलिस ने मवेशी तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 चक्का ट्रक में अवैध रूप से ले जाई जा रही 26 भैंसों को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार, थाना टिकरिया क्षेत्र में पिछले कई दिनों से मवेशी तस्करों की बस एवं अन्य बड़े वाहनों के माध्यम से अवैध परिवहन की गतिविधियां संचालित हो रही थीं। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रदीप पांडे द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही थी।

रात्रि लगभग 10 बजे मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी प्रदीप पांडे ने पुलिस बल के साथ थाने के सामने बैरिकेड लगाकर एक 16 चक्का ट्रक को रोककर जांच की। जांच के दौरान ट्रक में 26 नग भैंसों को अवैध रूप से भरकर मंडला से जबलपुर की ओर ले जाया जा रहा था।

पुलिस द्वारा ट्रक को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया गया। वाहन चालक एवं उसके साथियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है। जब्त की गई 26 भैंसों को रात्रि में सुरक्षित रूप से फूल सागर पड़रिया स्थित गौशाला में पहुंचाकर सुपुर्द किया गया।

इस कार्रवाई में उप निरीक्षक पंकज बिष्ट सहायक उप निरीक्षक टीकाराम भोयर प्रधान आरक्षक अभिषेक मिश्रा ए एस आई नारायण तराम शालिग्राम उईक शरद परस्ते दीपक द्विवेदी सहित थाना टिकरिया पुलिस बल की में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

थाना टिकरिया पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में मवेशी तस्करों के विरुद्ध कड़ा संदेश गया है।

खबर संक्षेप

पैसा न देने पर पुत्र ने पिता से की मारपीट

गाडरवारा। हर पिता द्वारा अपने पुत्रों से उम्मीद की जाती है कि वृद्व अवस्था में वह उनके लिये मददगार बनेगे। मगर देखा जाता है कि कुछ पुत्र इस तरह होते है कि वह जिन्दगी भर अपने पिता से पैसा मांगते हुये मदर गस्ती में लगे रहना चाहते है। जब पिता द्वारा पेसा देने से इंकार किया जाता है तो वह मारपीट करने से भी पीछे नही रहते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर के महाराणा प्रताप वार्ड में देखने मिली। जहां पर शासकीय नौकरी से सेवा निवृत हुये वृद्व पिता से जब पुत्र द्वारा पैसा मांगे तो पिता द्वारा पैसा नही दिये जाने की बात को लेकर मारपीट की गई। घटना के संबंध में सेवा निवृद्व व पीडित वृद्व पिता द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरा एक लडका नितिन कुमार कतिया उम्र 35 साल का है। वह बीते हुये दिवस मेरे पास आया और मुझसे पैसे मांगने लगा मैने बोला की मेरे पास पैसे नहीं है। उसी बात को लेकर आरोपी पुत्र ने अपने पिता को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पुत्र के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

गांवों में राशन दुकान समय पर नहीं खुलने से भटकते हुये देखे जाते हैं उपभोक्ता..

गाडरवारा। शासन द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए उन्हें सस्ता राशन उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे सार्वजानिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित सस्ते राशन की दुकानों से हालांकि सरकार की मंशानुरूप गेहू, कैरोसिन, चॉवल और शक्कर का वितरण किया जा रहा है। वही सरकार के आदेश अनुसार कुछ महिनों तक पर्ची धारकों के लिये निःशुल्क राशन भी वितरण किया जा रहा है। किन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में नीले, पीले कार्डधारियों की शिकायत है कि उचित मूल्य की कई दुकानें ऐसी है जो समय के साथ निश्चत तिथि पर नही खुलने के कारण लोगो का समय व्यर्थ बर्बाद हो रहा है।

नगर की पानी टंकी के पास दिनदहाड़े घटित मधुर चौरासिया हत्याकांड के आरोपी को आजीवन कारावास

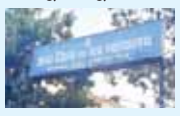

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही अपराध करने वाले व्यक्ति अपने बचाव को लेकर कितने भी प्रयास करे मगर जब मामला विद्यवान न्यायाधीश के समझ पहुंचता है तो वहां पर दूध का दूध व पानी का पानी होने से नही चूकता है और अपराधियों को सजा मिलकर रहती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस स्थानीय न्यायालय में उस समय देखने मिली जब 14 माह पहले यानि की 5 दिसम्बर 2024 को नगर की पानी टंकी के पास दिन दहाड़े मधुर चौरासिया की सिर कुलचते हुये की हत्या के मामले में मा. विद्यवान न्यायाधीश तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश मा. पंकज जायसवाल की कोर्ट ने आरोपी विकास कुचबंदिया को आजीवन कारावास सहित आर्थिक दंड की सजा से दंडित किया गया है। स्थानीय न्यायायल की तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश पंकज जायसवाल की कोर्ट द्वारा गाडरवारा पुलिस थाने के अपराध क्रमांक 1320/2024 धारा धारा103(1) का निर्णय सुनाते हुये अभियुक्त विकास कुचबंदिया को आजीवन कारावास सहित 5000 हजार रूपया के अर्थ दंडित से दंडित की सजा सुनाई गई। इस प्रकरण में शासन की ओर से लोक अपर लोक अभियोजक सर्वेश शर्मा द्वारा पैरवी की गई थी। वही शर्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार लगभग 14 माह पूर्व यानि की 5 दिसम्बर 2024 को नगर की पानी टंकी चौपाटी के पास जब मधुर चौरासिया फुल्की खाने के लिये गया हुआ था। उसी दौरान आरोपी विकास पिता चुन्नी लाल कुचबंदिया द्वारा पैसों के लेनदेन की बात को लेकर मधुर चौरसिया पर उस्तरा से बार करते हुये गला रेतने के दौरान जब वह जमीन पर गिर गया तो उसकी सिर के ऊपर कुरूतरा के साथ पत्थर पटकते हुये सिर कुचल दिया गया था जिसके चलते जहां मधुर चौरासिया की मौके पर ही मौत हो गई थी। आरोपी घटना को अंजाम देने के लिये लाया हुआ उस्तरा मौके पर फैकते हुये भागने में सफल हो गया था। वही घटना के चलते जहां संपूर्ण नगर में सनसनी का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया था तो दूसरी ओर घटना की जानकारी मिलते ही तत्कालीन उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व तत्कालीन टीआई प्रियंका केवट अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचने के बाद शव का पंचनामा बनाते हुये शव को पोस्ट मार्टम हेतु भेजा गया था। वही आरोपी विकास कुचबंदिया की खलाफ हत्या का मामला कायम करने के बाद आरोपी

को गिरफ्तार करते हुये न्यायालय में पेश किया गया था। वही मामले की जांच तत्कालीन उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में तत्कालीन टीआई प्रियंका केवट व तत्कालीन टीआई विक्रम रजक द्वारा करते हुये मामले का अंतिम प्रतिवेदन मा. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। वही मा. न्यायालय के तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश मा. पंकज जायसवाल द्वारा इस सनसनी खेज मामले की सुनवाई करते हुये अभियाग पत्र व अभियोजन साक्षियों की साक्ष्य एवं अभियोजक द्वारा प्रस्तुत किये साक्ष्य व तर्को से संतुष्ठ होते हुये अपने निर्णय में आरोपी विकास कुचबंदिया को हत्या के मामले में आजीवन कारावास एवं 5000 रूपया के अर्थदंड से दंडित किया गया है। ज्ञात हो कि इस प्रकरण में उधारी के पैसों को लेकर हुये विवाद के चलते दिन दहाड़े कूरूरता पूर्वक घटित हुये हत्या कांड में आरोपी को सजा दिलाने में अभियोजन की ओर अपर लोक अभियोजक सर्वेश शर्मा द्वारा पैरवी करते हुये मा. न्यायायल के समझ अपने साक्ष्य व तर्क प्रस्तुत किये गये और उन साक्ष्य तथा तर्कों से सहमत होते हुये न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गई। वही दूसरी ओर इस मामले में पुलिस की ओर से तत्कालीन उप पुलिस अधीक्षक गाडरवारा रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में तत्कालीन टीआई प्रियंका केवट व विक्रम रजक द्वारा जांच करते हुये मामले का अंतिम प्रतिवेदन मा. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। इस प्रकार से नगर में घटित हुई इस घटना के चलते जहां लोगों में इस तरह दहशत देखने मिली थी कि पानी टंकी के पास स्थित चौपाटी कई दिनों तक बंद रहने के बाद जब शुरू हुई तो वहां पर ग्राहक पहुंचने में अपने आपको दहशत महसूस करने से नही चूक रहे थें। वही दूसरी ओर इस घटना में प्रशासन द्वारा आरोपी की संपत्ति की जांच करते हुये किये गये शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण को लेकर बुलडोजर कार्यवाही भी की गई थी।

एनटीपीसी परियोजना से प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य शिविरों का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। एनटीपीसी के सीएसआर (**Corporate Social Responsibility**) के अंतर्गत जीवन ज्योति हॉस्पिटल के सहयोग से बीते हुये दिनों परियोना से प्रभावित सभी सात ग्रामों में मुख्य रूप से ग्राम गांगई घाटपिपरिया, कुडारी, डोंगरगांव, चोरबरहटा, उमरिया एवं मेहराखेड़ा बीते हुये 23 जनवरी से 25 फरवरी तक यानि की एक माह तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन स्वास्थ्य शिविरों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना तथा सामान्य एवं विशेष स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान एवं समयोचित उपचार सुनिश्चित करना था। इस पहल के माध्यम से ग्रामीणों को उनके ही गांव में विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएँ प्रदान की गईं, जिससे उन्हें दूरस्थ अस्पतालों तक जाने की आवश्यकता कम हुई। प्रत्येक ग्राम में आयोजित शिविरों में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। लगातार एक माह तक आयोजित किये गये इन शिविरों के माध्यम से ग्राम ग्राम गंगई में 260, ग्राम घाटपिपरिया में 155, ग्राम कुदारी में 190, ग्राम डोंगरगांव में 102, ग्राम चोरबरहटा में 120, ग्राम उमरिया में 112, ग्राम मेहराखेड़ा में 105 हितग्राही इस प्रकार कुल मिलाकर 1,044 ग्रामीणों ने इन स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लाभ प्राप्त किया। शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, रक्त चाप एवं शुगर जांच, महिला एवं बाल स्वास्थ्य परामर्श, तथा निःशुल्क दवा वितरण की सुविधा प्रदान की गई। गंभीर रोगों के मामलों में आगे की जांच एवं उपचार हेतु उचित मार्गदर्शन भी दिया गया। ग्रामीणों ने एनटीपीसी गाडरवारा की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। यह अभियान क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामुदायिक कल्याण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

रमजान माह के दौरान रखे जा रहे रोजे, अल्लाह की इबादत का महौल दे रहा दिखाई

नांदनेर/गाडरवारा। मुस्लिम समुदाय का रमजान का त्योहार खुशनुमा अंदाज में मनाया जा रहा है। इस मौके पर रोजेदार रोजा रखकर अल्लाह की इबादत कर रहे हैं । रमजान के दूसरे जुम्मे पर मस्जिदों में सैकड़ा लोगों ने नमाज अदा की गई। वही जामा मस्जिद में पेश इमाम हाफिज व कारी जुबेर आलम साहब ने जुम्मे की नमाज के पहले तकरीर में बताया कि रमजान में रहमतों की बारिश होती है। अल्लाह अपने बंदों की दुआ कुबूल करता है। रमजान में रोजा इफ्तार कराना लोगो से मोहब्बत के साथ पेश आना गरीबो की मदद करना चाहिए। वतन से मोहब्बत के साथ एकता भाईचारे का पैगाम देना चाहिए । जुमे के दिन मस्जिदों में रोजा इफ्तार में भारी संख्या में रोजेदारों ने सामूहिक रूप से रोजा खोलकर अल्लाह का शुक्र अदा किया । नगर के जामा मस्जिद , छोटी मस्जिद में तरावीह की नमाज पढ़ी जा रही है। वही सभी मस्जिदों में इबादत का दौर जारी है । मुस्लिम समाज के लोग एक दूसरे के घर रोजा इफ्तार के लिए अलग अलग पकवान, फल आदि अफ्तारी के रूप में भेज रहे है। सुबह शहरी से लेकर रोजा इफ्तार व तरावीह तक एक अलग ही मंजर नजर आ रहा है मुस्लिम समुदाय के लोग इबादत में मशगूल दिखाई दे रहे है । जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान ने सभी को रमजान की मुबारक बाद देते हुए सभी लोगो से मोहब्बत का संदेश देते सांप्रदायिक सौहार्द के साथ सभी पर्व मनाने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

तेजी से घट रही दुधारू पशुओं की संख्या

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा। अगर इसी रफ्तार से दुधारू पशुओं की संख्या घटती रही तो निश्चत ही आने वाले दिनों मे नौमिहालो को दुध के लाले पड सकते है। वह दिन दूर नही जब दूध के दाम आसमान छुने से नही चुकेगें और नगरिक दूध के लिए यहां वहां भटकने मजबूर होगे। किसानो मे दुधारू पशु पालने के प्रति मोहभंग हो जाने से पशुओं की संख्या घटती जा रही है वही सरकार भी इससे अनजान बनी हुई है, जिससे अब किसान भी दूध का उत्पादन करने के बजाय अन्य व्यसाय पर ज्यादा जोर देने लगे है,पशु चिकित्सा विभाग से प्राप्त आंकडो के अनुसार निरंतर पशुओं की संख्या घटती जा रही है और आज स्थिति यह हो गई है कि लोग दुधारू पशु पालने से ही तौबा करने लगे है ,जानकारो का कहना है कि दुधारू पशुओं की निरंतर घटती संख्या एवं पशु पालकों का मोहभंग होने के पीछे पर्याप्त चिकित्सा सुविधा न मिलना चारे के दाम आसमान छूना, गौहत्या चरम पर होना, शासकीय योजनाओं का पालकों को लाभ न मिलना है जिससे अब लोग पशु पालने से कतराने लगे है।

हूटर लगी गाडियों का खुलेआम हो रहा दुरूपयोग, प्रशासन के नजरअंदाज किये जाने के कारण हो रहे नगरवासी परेशान?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय नगर में आये दिन देखने मिल रहा है कि लोगों द्वारा जहां अपने वाहनों में मनमाने तौर से प्रशर हार्न लगाकर ध्वनि अधिनियम की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है.., वही दूसरी ओर अनेक लोगों द्वारा अपने चार पाहिया वाहनों में यातायात नियमों को दर किनार करते हुए हूटर लगाकर मनमानी पर उतारू देखे जा रहे है? मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि इस प्रकार से मनमान तौर से हूटरों का हो रहे दुरूउपयोग को लेकर स्थानीय शासन प्रशासन पूर्ण रूप से नजर अदांज कर रहा है, जिसके चलते नगर में अनेक वाहनों में खुलेआम हूटर देखने मिल सकते है, जबकि हूटर लगाने के लिए मा. न्यायालय व परिवहन विभाग द्वारा नियम कानून बनाये गये है, जिनकी खुलेआम आब्हेलना की जा रही है? वही वाहनों में हार्न लगाने के लिए भी लोगों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है, लोगों के वाहनों में लगे हूटर व हार्नो से राहगीरों के लिए परेशानी का सामना तो करना ही पड़ता है, वही स्कूल वाहनों में लगे प्रेशर हार्न से स्कूली बच्चों पर विपरित प्रभाव देखने मिल रहा है। क्षेत्र के कुछ नेताओं द्वारा भी अपने वाहनों में हूटर लगाकर नियमों की अनदेखी करते हुए आये दिन वाहनों के पीछे पुलिस सायरन वाला हूटर बजाकर रौब झाडा जाता है, और जब यह तेज हूटर रात के समय नगर में बजाया जाता है तो सोने वाले लोगों की नीद खराब हो जाती है, मगर धन्य है नगर का पुलिस प्रशासन जो आये दिन दुकानदारों सहित अन्य गरीब मजदूरों के बीच पहुंचकर उन्हे अपनी बर्दी की ताकत दिखाने के लिए तो हड़कता रहता है? मगर जिस प्रकार से लोगों द्वारा खुलेआम शासन के नियमों की अब्हेलना की जा रही है उनके खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही करने की हिम्मत नही करता है।

अवैध रूप से गांजे के साथ महिला गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक के मार्ग दर्शन में मादक पदार्थों के खिलाफ मुहिम चलाई

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

जहां एक ओर जिला पुलिस अधीक्षक के मार्ग दर्शन में मादक पदार्थो के खिलाफ मुहिम चलाई जा रही है। मगर चीचली क्षेत्र की स्थिति इस तरह से देखने मिल रही है कि इस अवैध कारोबार में महिलाओं का शामिल होना निश्चित तौर से एक चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रहा है। इस बात की सच्चाई चीचली पुलिस की कार्यवाही ने उजागर कर दी गई है कि यहां पर अब मादक पदार्थो के अवैध कारोबार में महिलाओं की भागीदारी भी हो चुकी है। बताया जाता है कि बीते हुये दिनों चीचली पुलिस द्वारा अपने क्षेत्र में भ्रमण के दौरान ग्राम बारहाबडा में एक महिला को अपने ही घर के आंगन में एक प्लास्टिक की पन्नी में 1.314 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा रखी मिली। इस तरह पुलिस द्वारा आरोपी महिला के कब्जे से 1.314 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा विधिवत जप्त कर आरोपी महिला के खिलाफ धारा 8/20बी,29 एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी महिला से जब पुलिस द्वारा पूछताछ की गई तो उसके द्वारा उक्त गांजा चोखेलाल पाली नामक व्यक्ति से खरीदने की सच्चाई उजागर किये जाने के चलते पुलिस द्वारा चोखे लाल की खोजबीन में जुटी हुई बताई जा रही है। इस तरह चीचली पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही में मुख्य रूप से थाना प्रभारी के आलवा उनि अमित गोटिया, सउनि इन्द्रपाल चौहान, प्रआर अमित पटेल, आरक्षक मोहित यादव, सुनील त्यागी, आनंद कोरी, मआर वंदेश्वरी का योगदान रहा।

रेल्वे गेट के पास देर रात तक होने वाली शराबखोरी को पुलिस द्वारा नजरंदाज किया जाना खड़े कर रहा सवाल..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय शहर में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर खुलेआम अतिक्रमण को जाल बिछते हुये देखे जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली निश्चित तौर से जहां अतिक्रमणकारियों के लिये संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर जिस तरह नगर के रेलवे स्टेशन के समीप यानि की चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर लगे हुये रेल्वे गेट के पास अतिक्रमण करते हुये स्थापित हो रही दुकानों पर जहां दिन के समय आवारा गर्दी करने वालों का जमावडा लगा रहता है तो दूसरी ओर शाम होते ही यहां पर शराब खोरी करने वालों की अशोभनिय हरकते देर रात चलने के कारण यहां पर निवास करने वाले लोगों के साथ साथ इस मार्ग से निकलने वाले राहगीरों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है? बताया जाता है कि यहां पर खाली पड़ी हुई सड़क किनारे की भूमि पर लोगों द्वारा खुलेआम अतिकमण करते हुये अपनी दुकाने स्थापित की गई है। इन दुकानों पर दिन भर आवारा गर्दी करने वाले तत्वों का हुजूम रहने के चलते आम लोगों के साथ साथ स्कूल आने जाने वाली छात्राओं को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि यहां पर लगी हुई दुकानों पर बैठे रहने वाले इन तत्वों द्वारा आसपास के गांवों से स्कूल आने वाली छात्राओं के साथ अशोभनीय हरकते करते हुये छीटाकशी करने से नही चूकते है और छात्राये दहशत व भय के चलते इन मनचलों की हरकतों से परेशान होकर अपमान का कढावा घूंट पीने के लिये मजबूर हो रही है। वही दूसरी ओर कुछ इसी प्रकार का हाल रात के समय भी देखने मिला है रात के समय यहां पर लगी हुई दुकाने तो बंद हो जाती है मगर इन खाली पड़ी रहने वाली दुकानों से लेकर खुले मैदान में शाम से लेकर देर रात तक शराब खोरी होने के कारण लड़ाई झगड़ा होना तो आम बात हो चुकी है। मगर शराब खोरी करने वाले लोगों द्वारा रात के समय इस मार्ग से निकलने वाले लोगों के साथ अभद्रता करने से नही चूकते है तो दूसरी ओर इस क्षेत्र में निवास करने वाले लोग भी इस तरह नगर के रेल्वे गेट के पास दिन रात होने वाली आवारा गर्दी से परेशान होते हुये देखे जा रहे है। जबकि गौर किया जावे तो पूर्व में अनेकों बार रेल्वे की इस भूमि पर दुकाने स्थापित करने वाले के खिलाफ आर पी एफ के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुये इन्हे हटा दिया गया था। मगर पता नही क्योंकि आर पी एफ सहित रेल पुलिस व नगर के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा यहां पर दिनों दिन बढ़ रहे अतिक्रमण को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि आम लोगों के लिये भुगतने मजबूर होना पड़ रहा है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी पुलिस द्वारा नजर अंदाज किये जाने पर नगर के जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है.।

बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम

गांवों में घूमते हुये बेरोजगारों को भ्रमित कर रही हैं कंपनियां

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम देखने मिल रहा है? जिसमें जिसमें देखा जा रहा है कि आये दिन नित्य नयी नयी कंपनियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसार रही हैं और बेरोजगार युवकों को बहला फुसलाकर उन्हें रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाते हुये अपने जाल में फाँस रही हैं और ताज्जुब की बात तो यह है कि इन कंपनियों के ऐजेंट शहरों से लेकर गाँव गाँव तक घूमकर बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाते हैं और उन्हें कुछ ही महीनों में लखपति बनने के आसमानी सपने दिखाकर उनसे एक मुश्त रकम लेकर उनको अपना एजेन्ट बना लेते हैं।

इस तरह से क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ अपना रोजगार फैलाये हुये हैं। लोगों का आरोप है कि इन तथा कथित कंपनियों के उत्पाद इतने महँगे

हैं कि इन्हें खरीद ही नहीं सकते चूँकि जो भी व्यक्ति रकम जमा कर इन कंपनियों का एजेन्ट बन जाता है तो उसे दूसरा एजेन्ट बनाने का कार्य दिया जाता है और वह निकल जाता है किसी बेरोजगार को अपना एजेन्ट बनाने और कम से कम समय में लखपति बनाने के रंगीन सपने दिखाकर दूसरे को भी फाँस लिया जाता है और बोला ताजा है कि तुमको घर बैठे पैसा मिलेगा एक बार इस काम को शुरू तो करो फिर देखना कितनी कमाई होती है,क्योंकि जो एजेन्ट दूसरा एजेन्ट नहीं बनाता है उसे कमीशन नहीं मिलता है इसलिये एक दूसरे को फँसाते रहते हैं ना तो कोई दो महीने में लखपति बना है और ना ही बनेगा, इस प्रकार की जिनती भी कंपनियाँ इस क्षेत्र में काम कर रही हैं वह युवकों को गुमराह कर पैसा ऐंठने का कार्य कर रहीं हैं। जानकारी के अनुसार पढ़े लिखे युवक उनकी बातों में आकर लखपति बनने का सपना देखकर वह अपना पैसा फंसाकर कंपनी के लिये काम करना शुरू कर देते हैं, इतना ही नहीं इन तथाकथित कंपनियों ने अनेक शासकीय कर्मचारियों को भी अपनी गिरफत में ले लिया हैजो अपने एजेन्ट बनाने के लिये अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर प्रभाव डालकर उन्हें इस कंपनी की लिंक चैन से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार की कंपनी द्वारा लखपति बनाये जाने के मायाजाल में फंसे कर्मचारियों की जाँच होनी चाहिये और इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिये, कुछ कर्मचारियों की तो यह स्थिति है कि वह अपनी पत्नियों के नाम से कंपनी में जुड़कर अपने ईमानदारी से करने वाले कार्य को नजरअंदाज कर इस कार्य में लगे हुये हैं जिसके कारण यह कंपनियाँ दिन दुगना रात चौगुना जाल फैलाती जा रही हैं।

सब्जी विक्रेताओं को सुविधाओं की दरकार

गाडरवारा। जरा सी बारिश होने के बाद शहर की पानी टंकी के पास लगने वाले नियमित सब्जी बाजार में कीचड़, पानी व्याप्त होने से सब्जी उपभोक्ताओं और गांवों से सब्जियाँ बेचने आए लोगों को अत्याधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस सब्जी बाजार के चारों तरफ से खुले होने से आवारा जानवरों की धमा चौकड़ी और उचित प्रकार व्यवस्था न होने से सब्जि विक्रेताओं को अनेक प्रकार की दिक्कतों का सामना करने पड़ रहा है तथा उनकी ग्राहकी प्रभावित हो रही है। इस संबंध में सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि उन्हें बारिश के दिनों में पानी की टंकी के पास लगने वाले सब्जी बाजार में मूलभूत सुविधाओं की कमी अखर रही है तथा उन्हें भीगते हुए अपना धंधा किसी तरह चलाने विवश होना पड़ रहा है। सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि घनी बारिश होने के पहले नपा को चाहिए कि उक्त सब्जी बाजार में बड़ा टीन शेड बनबाने के साथ साथ संपूर्ण क्षेत्र में मुरम डलवाने की पहल करना चाहिए ताकि सब्जी विक्रेता इस शेड के नीचे अपनी छोटी सब्जी की दुकाने लगाकर अपनी जीविका चला सके, क्योंकि यहां पर व्यवस्थाएं नही होने के कारण जहां बारिश के मौसम में सब्जी बेचने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है

खबर संक्षेप

होली के रंग आजीविका के संग मेला 28 फरवरी से 1 मार्च तक

अनूपपुर। शासन के वोकल फ़ॉर लोकल की अवधारणा के अनूपपुर स्थानीय उत्पादों के प्रचार प्रसार हेतु स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आजीविका होली मेला का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में अनूपपुर जिला मुख्यालय में आजीविका होली मेला का आयोजन 28 फरवरी से 01 मार्च तक जिला मुख्यालय के सामतपुर तालाब परिसर में सुबह 11 बजे से रात 09 बजे तक किया जा रहा है, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व सहायता समूहों द्वारा बनाये जा रहे विभिन्न उत्पाद, जैसे- आजीविका अमरकंटक कोदो, कोदो कुकीज, कोदो नमकीन, आजीविका शहद, आजीविका सत्तू, हेडवॉश, डिसवॉश, क्लीनवॉश, साबुन, अगरवत्ती, कलात्मक सजावटी सामग्रीयां, कपडे, आचार, वडी, पापड, आंवला कैंडी, बीजापुरी काष्ठशिल्प, गौडी पेंटिंग, लोहशिल्प आदि व होली उत्सव पर हर्बल गुलाल, रंग, पिचकारी, मुखौटा आदि सामग्री साथ अन्य विभागों के उदमियों द्वारा जिले में तैयार विभिन्न उत्पाद, कृषि विभाग अंतर्गत जैविक उत्पाद व फूड स्टाल व अमरकंटक हॉर्टिकल्चर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा स्थानीय व्यंजन के स्टाल आकर्षण का केंद्र रहेंगे। जिला प्रशासन ने उक्त आयोजन में समस्त जिलेवासियों से भाग लेकर स्थानीय उद्यमियों द्वारा तैयार किये गये उत्पादों को खरीदकर प्रोत्साहित करने का आग्रह किया है ताकि स्थानीय स्तर पर तैयार किये जा रहे उत्पादों को बाजार उपलब्ध हो तथा वोकल फ़ॉर लोकल ब्रांड को प्रोत्साहित किया जा सके।

स्व सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाई जाएगी हर्बल के गुलाल की दुकानें

उमरिया। मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना के माध्यम से दो दिवसीय आजीविका होली मेला का आयोजन 28 फरवरी एवं 1 मार्च को सब्जी मंडी उमरिया में हर्बल की दुकाने स्व सहायता समूह की महिलाओं व्दारा लगाई जाएगी। इसके साथ ही कुछ स्वा सहायता समूह की महिलाएं भोपाल में आयोजित होली मेले में सम्मिलित होंगी। जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि होली के रंग आजीविका के संग के माध्यम से होली मेले में स्व-सहायता समूहों व्दारा तैयार किए गए हर्बल गुलाल का विक्रय किया जाएगा । नगरवासियो से अपील की गई है कि होली के त्यौहार में शुद्व एवं देशी सामग्री का उपयोग कर स्वास्थ्य की देखभाल करें तथा स्व सहायता समूह की दीदियो द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करें।

हैंडपंप संधारण एवं नल जल योजना संचालन

उमरिया। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय ने बताया कि ग्रीष्मकाल मे पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु हैंडपंप संधारण एवं नल जल योजना संचालन,संधारण हेतु जिला अंतर्गत उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है जिसका मोबाइल नंबर 9893105867 है । कंट्रोल रूम के लिए अनुरूध्द सिंह उदे हैंडपंप टेक्नीशियन कि सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक संजीव बर्मन स्टोर क्लर्क कि दोपहर 2 बजे से 8 बजे तक के लिए ड्यूटी लगाई गई है । अवकाश के दिनों में अनुरूध्द सिंह उददे हैंडपंप टेक्नीशियन को फोन अटैंड कर शिकायत रजिस्ट र में संधारित करने के लिए नियुक्त किया गया है ।उन्होने बताया कि इसके अतिरिक्त जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर कार्यरत अधिकारियो, कर्मचारियो एवं ठेकेदारो से मोबाइल नंबर पर सुधार कार्य हेतु सीधे संपर्क किया जा सकता है। अधिकारियो में आर के गुप्ता प्रभारी सहायक यंत्री प्रभारी कंट्रोल रूम मोबाइल नंबर 9753207802, हिमांशु जायसवाल उपयंत्री विकासखंड मानपुर पाली मोबाइल नंबर 81099380362 तथा अजय कुमार शर्मा उपयंत्री विकासखंड करकेली मोबाइल नंबर 9131215330 शामिल है। ठेकेदार मेसर्स इंटरनेशनल स्पेशल स्क्योरिटी फोर्स विकासखंड पाली, मानपुर , करकेली मोबाइल नंबर 9752291747 शामिल है।

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आजीविका होली उत्पाद मेला का शुभारंभ

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 27 एवं 28 फरवरी 2026 को आयोजित ष्आजीविका होली उत्पाद मेलाष् का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी द्वारा किया गया। यह मेला स्थानीय स्व.सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में सामने आया है।मेले में समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित प्राकृतिक रंग.गुलालए पिचकारीए सजावटी सामग्रीए पापड़.बड़ीए मिठाइयाँए नमकीनए अचारए आंवला कैंडीए जंगली शहदए लौह शिल्पए पाटनगढ़ पेंटिंगए दुपट्टेए होली टी.शर्टए कुर्ता.पायजामा सहित विभिन्न घरेलू उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

इस बार विशेष रूप से बैगा जनजाति के विकासखंड बजाग अंतर्गत ग्राम सिलपिड़ी के स्व.सहायता समूहों ने पहली बार सहभागिता की है। इनके द्वारा जैविक सब्जियाँए मोटा अनाज जैसे मडिया एवं कोदो.कुटकी तथा बाँस से निर्मित सामग्री का स्टॉल लगाया गयाए जिसे लोगों ने सराहा।कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उनके उत्पादों को स्थानीय बाजार उपलब्ध कराना है। ऐसे आयोजनों से महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलता है और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अपने संबोधन में कहा कि आजीविका मिशन ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। समूह की महिलाएँ न केवल स्वावलंबी बन रही हैंए बल्कि परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।मेला 28 फरवरी तक आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे मेले में पहुँचकर स्थानीय उत्पादों की खरीद कर ग्रामीण महिलाओं का उत्साहवर्धन करें।

परिक्रमावासियों के लिए स्वास्थ्य शिविर, 1104 श्रद्धालुओं को मिला लाभ

डिंडौरी। नर्मदा परिक्रमा पर निकले श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का निरंतर संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में 16 जनवरी से 26 फरवरी 2026 तक आयोजित शिविरों के माध्यम से अब तक कुल 1104 परिक्रमावासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराई गई हैं।शिविरों में श्रद्धालुओं का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षणए रक्तचाप एवं शुगर की जांच की जा रही है। आवश्यकता अनुसार आयुर्वेदिक औषधियां प्रदान करने के साथ.साथ प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी सलाह भी दी जा रही हैए ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या से बचाव सुनिश्चित किया जा सके।आयुष विभाग द्वारा संचालित यह विशेष अभियान होली अवकाश को छोड़कर 15 मार्च 2026 तक जारी रहेगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अधिक से अधिक परिक्रमावासियों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए चिकित्सा दलों की नियमित तैनाती की गई है।जिला प्रशासन ने सभी परिक्रमावासियों से अपील की है कि वे शिविरों में पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराएं और उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाएं।

डिंडौरी में जिला स्तरीय ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता का आगाज़, 64 खिलाड़ी मैदान में

डिंडौरी। बैडमिंटन क्लब डिंडौरी के तत्वावधान में जिला स्तरीय ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ 26 फरवरी से इनडोर खेल परिसरए खेल एवं युवा कल्याण विभागए कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ। प्रतियोगिता 1 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएगी। इसमें जिले के समनापुर अमरपुर करंजिया बजाग शहपुरा मेंहदवानी और डिंडौरी विकासखंड से कुल 64 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में एकल एवं युगल दोनों वर्गों के मुकाबले खेले जा रहे हैं।फाइनल मुकाबलों में विजेताओं को प्रथम पुरस्कार स्वरूप 5 हजार रुपयेए द्वितीय पुरस्कार 3 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण.पत्र प्रदान किए जाएंगे।

प्रतियोगिता का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक सुदृढ़ता का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासनए समर्पण और टीम भावना विकसित करने का भी सशक्त साधन है।शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर के बीच मैत्री मैच भी खेला गयाए जिसमें कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में जीत दर्ज की। इसके बाद खिलाड़ियों के बीच एकल एवं युगल मुकाबले प्रारंभ हुए।कार्यक्रम में क्लब के सदस्य राकेश सिहारे अध्यक्ष सुरेंद्र सरैयाए उपाध्यक्ष जावेद खान ;अमरपुरद्धए सचिव एसण सिहारेए कोषाध्यक्ष सुशांत यादवए सहसचिव देवेंद्र पटेल सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी.कर्मचारी भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधकए वरिष्ठ एवं कनिष्ठ खिलाड़ी तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।प्रतियोगिता के आयोजन से जिले में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल रहा है तथा युवाओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और खेल भावना का विकास हो रहा है।

जनपद पंचायत करंजिया के अध्यक्ष बने राजू सिंह उद्दे

डिंडोरी। जनपद पंचायत करंजिया के अध्यक्ष पद के लिए हुए निर्वाचन में राजू सिंह उद्दे को विधिवत निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया मध्यप्रदेश पंचायत ;उप सरपंचए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निर्वाचनद्ध नियमए 1995 के नियम 17 के अंतर्गत संपन्न कराई गईपीठासीन अधिकारी रामबाबू देवांगन ने बताया कि अध्यक्ष पद हेतु राजू सिंह उद्देए पिता जय सिंह उद्देए अभ्यर्थी के रूप में नामांकित थे। निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत उन्हें अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित करते हुए प्रमाण.पत्र प्रदान किया गया।निर्वाचन परिणाम घोषित होते ही समर्थकों एवं क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए जनपद पंचायत क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की अपेक्षा जताई अध्यक्ष पद के निर्वाचन के साथ ही जनपद पंचायत करंजिया में नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है।

जनजातीय कार्य विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा लापरवाही पर नोटिस के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में निर्माणाधीन सीएम राइज विद्यालयए महाविद्यालय भवनए धरती आबा अभियान तथा जन.मन योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।कलेक्टर ने कार्यवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय.सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों एवं छात्रावास भवनों का समय पर निर्माण विद्यार्थियों के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण हैए इसलिए किसी भी स्तर पर देरी स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में यह तथ्य भी सामने आया कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा कुछ निर्माण कार्यों के भूमि.पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों को पूर्व सूचना दिए बिना आयोजित किए गए। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में किसी भी निर्माण कार्य का भूमि.पूजन अथवा लोकार्पण कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों को पूर्व सूचना एवं उनकी उपस्थिति सुनिश्चित किए बिना आयोजित न किया जाए। साथ ही इस लापरवाही के संबंध में आयुक्तए भोपाल को पत्र प्रेषित करने के निर्देश भी दिए गए।कलेक्टर ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में संचालित निर्माण कार्यों में गुणवत्ताए पारदर्शिता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक में सहायक आयुक्त राजेंद्र कुमार जाटवए हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्रीए पीआईयू के इंजीनियर पारस सिंह तथा एसडीओ धीरेन्द्र बेलिया सहित संबंधित अधिकारी.कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

डीएलसीसी एवं डीएलआरसी की तिमाही बैठक सम्पन्न, जिले का सीडी रेशियो 51 प्रतिशत

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति ;डीएलसीसीद्ध एवं जिला स्तरीय पुनरावलोकन समिति ;डीएलआरसीद्ध की तिमाही समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर श्री जेण्पीण यादवए भारतीय रिजर्व बैंक के एलडीओ श्री एसण सरवन एलडीएम श्री रविशंकर सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान वार्षिक साख योजना ;एसीपीद्धए सीडी रेशियो एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। एलडीएम ने जानकारी दी कि तृतीय तिमाही की समाप्ति के बाद जिले का सीडी रेशियो 51 प्रतिशत तथा एसीपी के अंतर्गत 75 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई हैए जिसे संतोषजनक माना गया।कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रोंकृविशेषकर कृषि एवं उद्योगकृमें ऋण वितरण बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही लंबित ऋण वसूली के मामलों में आरआरसी के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।बैठक में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजनाए टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना एवं पीएम विश्वकर्मा योजना में शत.प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनाए भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजनाए संत रविदास स्वरोजगार योजनाए डॉण भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने बैंकों के प्रयासों की सराहना की।कलेक्टर ने कहा कि बैंक एवं विभागीय अधिकारी समन्वित रूप से कार्य करते हुए जिले की आर्थिक गतिविधियों को गति दें और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

डिजिटल जनगणना 2027 को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण

डिंडौरी।

आगामी डिजिटल जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत जिला सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने की।कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने कहा कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संपन्न की जाएगी जिसमें आधुनिक तकनीक और डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाउस लिस्टिंग के दौरान प्रत्येक मकान का विवरण पूरी सटीकता और त्रुटिरहित ढंग से दर्ज किया जाएए ताकि आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता बनी रहे।उन्होंने जनगणना को राष्ट्रीय महत्व का दायित्व बताते हुए कहा कि इसके सफल संचालन के लिए सभी अधिकारियों की सक्रिय सहभागिताए बेहतर समन्वय और जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करना अनिवार्य है।प्रशिक्षण सत्र में अधिकारियों को जनगणना की संपूर्ण प्रक्रियाए डिजिटल एप के संचालन तथा हाउस लिस्टिंग से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बताया गया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण में हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन के अंतर्गत मकानों की गणना और मूलभूत सुविधाओं की जानकारी संकलित की जाएगीए जबकि द्वितीय चरण में घर.घर जाकर निर्धारित प्रपत्र के अनुसार परिवारों से विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी।बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेण्पीण यादव सभी एसडीएमए तहसीलदार तथा जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारी.कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस चौकी अमरपुर में होली एवं अन्य पर्वों को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

अमरपुर। आगामी होलीए धुरेड़ीए रंग पंचमी एवं रमजान आदि पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से चौकी अमरपुर परिसर में गणमान्य नागरिकों की शांति समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधिए विभिन्न सामुदायए व्यापारीगण एवं अन्य सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। जिन्हें पुलिस चौकी प्रभारी अतुल हरदहा द्वारा होलीए धुरेड़ीए रंग पंचमी एवं रमजान आदि पर्वों के दौरान कानून.व्यवस्था बनाएं रखनेए आपसी भाईचारा कायम रखने एवं अफवाहों से दूर रहने की अपील की गई। साथ ही यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देंए ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इसके अतिरिक्त डीजे की निर्धारित समय.सीमाए जुलूस मार्गए यातायात व्यवस्था तथा शराब पीकर वाहन चलाने पर सख्त कार्रवाई के संबंध में भी दिशा.निर्देश दिए गए। बैठक में सभी नागरिकों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सभी से अपील की गई कि त्यौहारों को आपसी प्रेमए सद्भाव और शांति के साथ मनाएं तथा क्षेत्र में कानून.व्यवस्था बनाएं रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की समझाइश दी गई। आयोजित शांति समिति की बैठक में प्रमुख रूप से जनपद पंचायत अध्यक्ष हन्नू सिंह पट्टाए भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश नामदेवए जनपद सदस्य क्रांति धुर्वेए राम किशोर ठाकुरए यूसुफ खानए तीरथ मूलचंदानीए गुलाब सिंह ठाकुरए माखन साहूए राम कुमार वनवासीए राम कृष्ण यादवए पुष्पराज तेकामए साहब लाल पुषामए मनीष ठाकुरए बलराम राजपूत सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

10

जबलपुर, शनिवार 28 फरवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

शासकीय भूमि से हटाया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा गोटेगांव तहसील के ग्राम बौछार स्थित शमशान घाट की 126/1 शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान संबंधित भूमि को तारबाड़ी कर सुरक्षित किया गया तथा विधिवत कब्जा ग्राम पंचायत को सौंपा गया। इस दौरान तहसीलदार नीरज तखरया, राजस्व एवं पुलिस विभाग का अमला मौजूद था।

नगर के 243 श्वानों का हुआ टीकाकरण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को नगरपालिका एवं पशुपालन विभाग नरसिंहपुर की संयुक्त टीम द्वारा नगर को रेबीज मुक्त बनाने और पशुपालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से 27 एवं 28 फरवरी दो दिवसीय निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के प्रथम दिवस शहर के विभिन्न हिस्सों में कुल 243 श्वानों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं जिला शहरी विकास अभिकरण प्रभारी नीलम चौहान, उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ. सुनील बृजपुरिया और टीकाकरण नोडल अधिकारी डॉ. संजय मांझी ने दोनों विभागों की संयुक्त टीमों द्वारा टीकाकरण किया गया। एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए शहर में चार विशेष दल गठित किए गए हैं। इन टीमों को सुरक्षित टीकाकरण के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि आवारा एवं पालतू श्वानों का टीकाकरण सुगमता के साथ किया जा सके। इस दौरान उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. बृजपुरिया ने वार्ड निवासियों को रेबीज के प्रति जागरूक किया।

स्वीकृत ऋण आवेदनों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करें: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देश दिए कि बैंकों में लंबित स्वीकृत ऋण आवेदनों का अविलंब वितरण किया जाए। यदि किसी कारणवश वितरण संभव न हो तो आवेदन कारण सहित संबंधित विभाग को वापस किए जाएं, ताकि पुनः आवश्यक कार्यवाही कर लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण बैंकों को प्रेषित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025- 26 में योजनाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समन्वय समिति / जिला स्तरीय समीक्षा बैठक (डीएलसीसी/ डीएलआरसी) में दिए। बैठक में एलडीओ आरबीआई मयंक सेमवाल, डीडीएम नाबार्ड उज्वलकांत, अग्रणी जिला प्रबंधक अरुण कुमार सिंह, जिला समन्वयक बैंकर्स, शाखा प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

एचपीवी टीकाकरण का शुभारंभ आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की बढ़ती समस्या को देखते हुए प्रधानमंत्री भारत सरकार एंव मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के द्वारा महिलाओ में सरवाईकल कैंसर की रोकथाम के लिये एचवीपी टीकाकरण का शुभारंभ आज 28 फरवरी से किया जा रहा है।

जिम्मेदारों की मनमानी का दंश झेल रही जनता

नेशनल हाईवे 44 पर पेंच वर्क से हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले से गुजरने वाली नेशनल हाईवे 44 पर जगह - जगह निर्माण कार्य किया जहा रहा है जिस काराण से फोर लाइन को 1 लाइन में परिवर्तित किया गया है। जिससे आवागमन मे परेशानी का सामना वाहन चालकों को करना पड़ रहा है। सिंगल रोड मे रात्रि के समय मे सामने से आ रहे वाहनों की लाइट के कारण वाहन चलाने मे परेशानी उत्पन्न होती है। जिस ओर जिम्मेदार लोगों द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। यात्रियों की इस परेशानी को जिला प्रशासन द्वारा भी नजरअंदाज किया जा रहा है। प्रशासन को चाहिए की समय समय पर जांच कर निर्धारित समय सीमा पर निर्माण कार्य को पूरा कराया जाए जिससे लोगों को परेशानी ना हो।

जिले में 80 किलोमीटर की है लंबाई

जिले में सुधार कार्य की कमी के कारण लंबे समय से खस्ताहाल नरसिंहपुर-सागर हाईवे क्रमांक 44 पर डामरीकरण का कार्य चल रहा है। जिले में हाइवे की लंबाई करीब 80 किमी है। जिस पर यह कार्य बीते साल ही हो जाना था लेकिन कार्य पिछड़ा रहा और अब जाकर किया जा रहा है लेकिन इस दौरान मनमाने ढंग से फोरलेन पर वाहनों की आवाजाही का रूट बदले जाने से वाहन चालकों को दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ रही है। कार्य के दौरान डामरीकरण वाले रूट पर संकेतबोर्ड, दिशासूचक बोर्ड की कमी भी बनी है। जिससे कई बार वाहन चालक उसी रूट पर वाहन ले जाते हैं जहां पर कार्य चल रहा है और उन्हें फिर वाहन वापिस लेकर आना पड़ता है। हाइवे पर कई जगह कट प्वाइंट दूर होने से वाहन चालकों को सुरक्षित अपने रूट पर पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

थिगड़े से बना रहता है भय

जिले में खापा-मुंगवानी से लेकर झिराघाटी तक हाइवे की हालत जगह-जगह खराब है। कई जगह गड्ढे बने हैं और जिन गड्ढों को भरने का कार्य किया गया है उन पर थिगड़े इतने ऊपर हैं कि वाहन निकलते समय डर रहता है कि अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त न हो जाए। जिले में हाइवे पर ही व्हीकल अंडरपाथ का कार्य भी चल रहा है जिससे भी कई जगह वाहन चालकों के लिए जोखिमपूर्ण स्थिति बनी है। जो ब्रिज तैयार हो गए हैं उनके दोनों तरफ संकेत बोर्ड नहीं है। ब्रिज के नीचे से निकलने के दौरान वाहन चालकों को डर रहता है कि कहीं सामने से आने वाले किसी वाहन या राहगीर से टक्कर न हो जाए। खास यह है कि हाईवे पर चल रहे कार्य के संबंध में एनएचएआइ के जिम्मेदार अधिकारी कोई भी सूचना-जानकारी देने से भी बच रहे हैं। बताया जाता है कि डामरीकरण का जो कार्य अब जाकर हो रहा है वह दो साल पूर्व हो जाना था लेकिन कार्य पिछड़ता रहा। बीते साल कुछ हिस्सों में जहां कार्य किया गया वहां का डामर बारिश में ही धुल गया था। जिसके बाद फिर से सुधार कार्य कराया गया।

कई जगह क्षतिग्रस्त है डिवाइडर

नेशलन हाइवे पर कई जगह डिवाइडर भी टूटे पड़े हैं। नरसिंहपुर से लगे कपूरी तिराहा के पास कुछ साल पूर्व पुलिया बनाने के लिए कार्य शुरू हुआ था। उस दौरान वाहनों का रूट बदलने डिवाइडर तोड़ा गया लेकिन अब तक इसका सुधार नहीं किया गया है। इसी तरह हाइवे के अन्य हिस्सों में डिवाइडर की हालत खराब है। कई जगह तो कुछ महिनों पहले ही लगाईं गईं जालियां, रैलिंग भी खराब होने लगी है। जिससे आबादी क्षेत्र में हाइवे पर मवेशियों की मौजूदगी नहीं रूक रही है। जो नए ब्रिज तैयार हुए हैं उनके ऊपर भी डामर धसकने से गड्ढे दिखने लगे हैं। हाइवे प्रशासन के जिम्मेदा अधिकारियों की मनमानी का दंश आम जनता को भोगना पड़ रहा है। प्रशासन को चाहिए की निगरानी कर समय सीमा मे निर्माण कार्य पूरा कराया जाए जिससे दुर्घटनाओं मे कमी आ सके।

ग्राम चौपाल का आयोजन, कलेक्टर ने सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नौरादेही अभ्यारण अंतर्गत प्रस्तावित विस्थापन के संबंध में विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम मलकुही एवं ढाना में चौपाल लगाकर दावा-आपत्तियों की सुनवाई की। ग्राम मलकुही में आयोजित चौपाल के दौरान 12 प्रकरणों को मौके पर ही पात्र घोषित किया गया, जबकि 7 प्रकरण अपात्र पाए गए। शेष प्रकरणों की जांच की कार्यवाही प्रचलित है। इसी प्रकार ग्राम ढाना में आयोजित चौपाल में कलेक्टर ने ग्रामीणों से विस्थापन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पात्र परिवारों से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का आग्रह करते हुए कहा कि दस्तावेजों के आधार पर प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। यहां अवगत कराया गया कि कुल 221 प्रकरणों में 184 पात्र पाए गए, जबकि 37 प्रकरण अपात्र पाए गए हैं। चौपाल में वन मंडलाधिकारी, नौरादेही अभयारण्य से संबंधित अधिकारी, एसडीएम नरसिंहपुर मणिन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

विकसित भारत युवा संसद का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में माय भारत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत युवा संसद 2026 का जिला स्तरीय आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में युवाओं ने संसदीय प्रक्रियाओं को समझा और देश के लोकतांत्रिक भविष्य पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में 25 जून 1975 के आपातकाल का स्मरण कराया। उन्होंने कहा, आज से ठीक 50 वर्ष पूर्व लागू हुआ आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का वह अध्याय है, जो हमें संवैधानिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रता की अहमियत सिखाता है। उन्होंने युवाओं को सचेत करते हुए कहा कि एक जीवंत लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता और न्यायपालिका की स्वायत्तता अनिवार्य है। उन्होंने आह्वान किया कि लोकतंत्र की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक कर्तव्य है। इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए माय भारत पोर्टल के माध्यम से कुल 75 प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण कराया था। कड़े मुकाबले के बाद 5 श्रेष्ठ वक्ताओं का चयन किया गया, जो आगामी राज्य स्तरीय युवा सांसद प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नर्मदा परिक्रमावासियों का भव्य स्वागत

गोटेगांव मां नर्मदा की पावन पदयात्रा पूर्ण कर लौटे परिक्रमावासी सत्यसिंह पटेल एवं परमानंद पटेल का गोटेगांव आगमन पर नगरवासियों ने भव्य और श्रद्धापूर्ण स्वागत किया। जैसे ही दोनों परिक्रमावासी नगर की सीमा में पहुंचे, बायपास क्षेत्र जयकारों और "नर्मदे हर" के उद्घोष से गूंज उठा। स्थानीय नागरिकों, युवाओं और परिजनों ने तिलक लगाकर, पुष्पमालाएं पहनाकर तथा पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा।कार्यक्रम में नगर के कई युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और परिक्रमावासियों की सुरक्षित एवं सफल यात्रा के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। उपस्थित लोगों ने इसे आस्था, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक बताया। इस अवसर पर अपने अनुभव साझा करते हुए सत्यसिंह पटेल ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा केवल पैरों से तय की जाने वाली यात्रा नहीं, बल्कि यह आत्मिक साधना, संयम और श्रद्धा की परीक्षा है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान कठिनाइयों के बावजूद मां नर्मदा की कृपा से हर चरण पर अद्भुत शांति और शक्ति का अनुभव हुआ। परमानंद पटेल ने भी यात्रा को जीवन का अविस्मरणीय अध्याय बताते हुए इसे आत्मविश्वास और भक्ति का मार्ग बताया।नगरवासियों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और युवाओं को संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। स्वागत कार्यक्रम के उपरांत परिक्रमावासियों का आशीर्वाद लेकर लोगों ने उनके उज्ज्वल एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस तरह बायपास क्षेत्र श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता के रंग में सराबोर नजर आया।

वाहन चेकिंग में पक्षपात के आरोप

गोटेगांव। गोटेगांव के जिला फाटक के पास नरसिंहपुर रोड पर बीते दिवस चलाए गए सघन वाहन चेकिंग अभियान ने प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस द्वारा दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बारीकी से जांच की गई, दस्तावेजों की कमी पाए जाने पर कई चालान भी काटे गए। हेलमेट, सीट बेल्ट, बीमा, फिटनेस और ड्राइविंग लाइसेंस की जांच में आम वाहन चालकों के प्रति सख्ती स्पष्ट रूप से दिखाई दी।हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इसी दौरान एक बिना नंबर प्लेट की बस को कथित रूप से बिना रोके आगे बढ़ने दिया गया। बस के आगे के हिस्से में नंबर प्लेट नहीं होने के बावजूद उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसे नियमों के दोहरे मापदंड के रूप में देखा और खुलकर नाराजगी जताई।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि बिना नंबर प्लेट का कोई बड़ा वाहन किसी दुर्घटना को अंजाम देकर फरार हो जाए, तो उसकी पहचान करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। लोगों ने आशंका जताई कि कहीं रसूख या दबाव के चलते तो वाहन को नहीं छोड़ा गया।कुछ व्यापारियों और राहगीरों ने बताया कि अभियान के दौरान छोटे वाहन चालकों से सख्ती से पूछताछ की गई, जबकि बड़े वाहनों के प्रति ढिलाई बरती गई। इससे आम जनता में यह संदेश जाता है कि कानून केवल कमजोर वर्ग के लिए ही प्रभावी है।नागरिकों ने मांग की है कि सड़क सुरक्षा के नियम सभी पर समान रूप से लागू किए जाएं। चेकिंग अभियान की वीडियो रिकॉर्डिंग या सार्वजनिक रिपोर्ट जारी कर पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी प्रकार के पक्षपात की गुंजाइश न रहे। लोगों का कहना है कि यातायात नियमों का उद्देश्य राजस्व वसूली नहीं, बल्कि जनहित और सुरक्षा है। यदि नियमों का पालन निष्पक्ष और सख्ती से किया जाए, तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है और प्रशासन पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

डीजे की तेज आवाज से आमजन परेशान

गोटेगांव नगर में इन दिनों शादी-विवाह, जुलूस, जन्मदिन और अन्य आयोजनों में तेज ध्वनि विस्तारक यंत्र (डीजे) का प्रचलन लगातार बढ़ता जा रहा है। देर रात तक गूंजने वाली तेज आवाजें आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बन रही हैं। खासकर रिहायशी इलाकों में डीजे की ऊंची ध्वनि से बुजुर्गों, हृदय एवं रक्तचाप के मरीजों तथा छोटे बच्चों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।स्कूली छात्र-छात्राओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं का कहना है कि देर रात तक बजने वाले डीजे से पढ़ाई पर सीधा असर पड़ रहा है। कई बार निर्धारित समय सीमा के बाद भी ध्वनि विस्तारक यंत्र बंद नहीं किए जाते, जिससे नींद में बाधा उत्पन्न होती है और दिनचर्या प्रभावित होती है।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के स्पष्ट नियम होने के बावजूद उनका पालन प्रभावी रूप से नहीं कराया जा रहा। शासन के निर्देशानुसार रात्रि 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर और डीजे पर प्रतिबंध है, साथ ही ध्वनि की अधिकतम सीमा भी तय है, लेकिन कई आयोजनों में इन नियमों की अनदेखी की जाती है।

चिकित्सकों के अनुसार अत्यधिक ध्वनि स्तर मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं को बढ़ावा दे सकता है। लगातार तेज ध्वनि के संपर्क में रहने से श्रवण क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि ध्वनि प्रदूषण नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। आयोजकों को पूर्व अनुमति प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य किया जाए तथा समय-सीमा और डेसीबल स्तर का उल्लंघन करने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि उत्सव और परंपराओं का सम्मान आवश्यक है, लेकिन वह किसी अन्य की शांति और स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं होना चाहिए। प्रशासन यदि समय रहते संतुलित और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करे, तो उल्लास और अनुशासन दोनों साथ-साथ चल सकते हैं।

शिकायतों के बाद सजग हुआ प्रशासन

कालोनाइजर को दी गई हिदायत

तेंदूखेड़ा। नगर के डोला मार्ग स्थित खेतों में अवैध रूप से प्लॉट काटकर बसाई गई कॉलोनी में मूलभूत सुविधाओं को ताक पर रखकर कॉलोनीराइजर द्वारा सड़क नाली पानी निकासी गार्डन और पार्किंग जैसी सुविधाओं का आश्वसन देकर प्लॉट बेच दिए गए लेकिन वर्षों बाद भी कॉलोनी में कोई व्यवस्थाएं विकसित नहीं की गईं जिसे लेकर परेशान कॉलोनीवासियों की शिकायत पर प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर कॉलोनीराइजर को हिदायते देते हुए शीघ्र ही उचित सुविधाएं मुहैया कराने के लिए निर्देशित किया है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार डोला मार्ग पर स्थित कृषि भूमि को कॉलोनीराइजर द्वारा छोटे छोटे प्लॉट में विभाजित कर बेच दिया गया है ।प्लॉट खरीदने वाले नागरिकों को यह भरोसा दिलाया गया था कि यहां व्यवस्थित कॉलोनी विकसित की जाएगी जिसमें पक्की सड़कें नाली व्यवस्था पेयजल सुविधा पार्किंग स्थल और गार्डन उपलब्ध होंगे। इन आश्वासनों के आधार पर अनेकों लोग अपने मकान बनाकर रहने लगे। कॉलोनी बसने के बाद भी विकास कार्य नहीं होने से यहां रहने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी में न तो पक्की सड़कें बनाई गई हैं और न ही जल निकासी की कोई व्यवस्था की गई है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी खाली प्लॉटों में भरता रहता है। जिससे बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। जल निकासी सफाई

का अभाव कॉलोनीवासियों का कहना है कि नालियों के अभाव में घरों का गंदा पानी खुले में बहता है और स्वच्छता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कचरे के ढेर और गंदगी आम दृश्य बन गए हैं। जिनमें मच्छर-मक्खियां पनपती रहती हैं।

पार्किंग गार्डन की सुविधा नहीं

कॉलोनीराइजर ने प्लॉट बेचते समय पार्किंग और गार्डन की सुविधा देने का दावा किया था लेकिन वर्तमान में कॉलोनी में न तो कोई पार्किंग स्थल विकसित किया गया है और न ही बच्चों और बुजुगों के लिए कोई गार्डन या खुला मैदान उपलब्ध है। परिणामस्वरूप वाहन सड़ककिनारे खड़े किए जाते हैं। जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

अनुविभागीय अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम पूजा सोनी स्वयं कॉलोनी में निरीक्षण के लिए पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कॉलोनी की बदहाल स्थिति देखी और कॉलोनाइजर को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कॉलोनी में रह रहे लोगों के आवश्यक मूलभूत सुविधाएं तत्काल विकसित की जाएं और जल निकासी सड़क निर्माण तथा स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिससे यहां लोगों का जीवन सहज और सरल तरीके से हो सके। उन्हें परेशानियां न हों। परेशानी भोग रहे कॉलोनीवासियों में आक्रोश कॉलोनी के निवासियों में इस पूरे मामले को लेकर आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि उन्होंने वैध कॉलोनी समझकर प्लॉट खरीदे थे। लेकिन अब उन्हें बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर और कस्बों में बिना अनुमति के कॉलोनियां बसाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। कृषि भूमि को आवासीय उपयोग में बदलकर प्लॉट बेचे जा रहे है। जिससे न केवल शहरी क्षेत्र विस्तार प्रभावित हो रहा है। बल्कि ऐसी कॉलोनियों में प्लॉट खरीदकर मकानबनाने वाले नागरिकों को भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता है। कॉलोनी को नियमित कर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और दोषी कॉलोनीराइजर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

शिकायतों पर प्रशासन हरकत में आया

लगातार समस्याओं से परेशान कॉलोनीवासियों ने नगर परिषद और एसडीएम कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कॉलोनीराइजर पर झूठे वादों के आधार पर प्लॉट बेचने और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न कराने का आरोप लगाया गया। शिकायत के आधार पर नगर परिषद ने कॉलोनीराइजर को नोटिस जारी किया और स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए।

पूर्व से दर्ज है मामला होगी कार्रवाई

एसडीएम कार्यालय में इस कॉलोनी से संबंधित प्रकरण पहले से दर्ज बताया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार शिकायतों और निरीक्षण रिपोर्ट के आधार परआगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यदि कॉलोनाइजर द्वारा नियमों का पालन नहीं किया गया। कॉलोनी विकास की शर्तों को पूरा नहीं किया गया तो प्रशासन सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

अवैध कॉलोनियों पर सख्ती की जरूरत

नगर में कृषि भूमि को काटकर बनाई जा रही अवैध कॉलोनियों को बसाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जरुरत है। डोलामार्ग स्थित कॉलेनी के निवासियों ने उम्मीद व्यक्त की है कि प्रशासन की कार्रवाई के बाद उनकी समस्याओं का समाधान होगा और कॉलोनी में सड़क, नाली, पानी निकासी, पार्किंग और गार्डन जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। फिलहाल एसडीएम द्वारा की गई कार्रवाई ने नागरिकों में विश्वास जगा है कि उनके द्वारा की गई शिकायतों पर कार्रवाई होने से उन्हें जल्द ही उन्हें राहत मिल सकती है।